

- हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह ने फरीदाबाद में 120 करोड़, 76 लाख रुपये की लागत की चार विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया। लगभग 1331 युवाओं को ई-नियुक्ति पत्र जारी किए।
- मुख्यमंत्री नायब सिंह ने फरीदाबाद में केंद्रीय विद्यालय खोलने और प्राकृतिक उद्यान विकसित करने सहित कई घोषणाएं की।
- हरियाणा के राज्यपाल असीम कुमार घोष ने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में करीब तीन हजार विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की। छात्रों को देश के विकास में अपना योगदान देने के लिए प्रेरित किया।
- कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति राजेश बिंदल को डॉक्टर ऑफ़ लॉ (Doctor of Law) की मानद उपाधि से अलंकृत किया।
- भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के सहायक महानिदेशक डॉ. संजीव गुप्ता ने दलहन और तिलहन की फसलों की बिजाई पर ज़ोर दिया।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज फरीदाबाद शहर में 120 करोड़ 76 लाख रुपये की लागत की चार महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इनमें 50 करोड़ 61 लाख रुपये की लागत से विश्राम ग्रह का निर्माण, 41 करोड़ 70 लाख रुपये की लागत से डिस्पेंसरी व मुख्य चिकित्सा अधिकारी के कार्यालय का निर्माण और विभिन्न क्षेत्रों में 25 करोड़ रुपये के लागत से सीवरेज लाइन बिछाना शामिल है। इसके अलावा 3 करोड़ 45 लाख रुपये की लागत से ओल्ड फरीदाबाद में स्कूल भवन का निर्माण किया जाएगा। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने रिमोट के माध्यम से जेसी बोस विश्वविद्यालय में पूर्व में आयोजित मेगा रोजगार मेले में चयनित लगभग 1331 युवाओं को ई-नियुक्ति पत्र भी जारी किए। उन्होंने फरीदाबाद को देश के सबसे स्वच्छ शहरों में शामिल करने के उद्देश्य से स्वच्छता शुभंकर और स्वच्छता कॉमिक का अनावरण भी किया तथा नगरवासियों से स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज फरीदाबाद में आयोजित धन्यवाद एवं विकसित फरीदाबाद रैली में फरीदाबाद के विकास के लिए कई घोषणाएं की। मुख्यमंत्री ने कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल द्वारा रखी मांगों पर कहा –

मुख्यमंत्री ने कहा कि सामुदायिक भवनों और पार्कों में वर्षा जल संचयन की व्यवस्था की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कन्वेंशन हॉल के सामने तथा श्रम अदालत के निकट एचएसवीपी की लगभग 3 एकड़ भूमि पर मल्टीलेवल पार्किंग के ऊपर एक बड़ा बैट्टेक्रेट हॉल बनाने की भी घोषणा की। इससे पहले रैली को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने कहा-

रैली को केन्द्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर और विपुल गोयल ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर कई विधायक और मंत्री मौजूद रहे।

हरियाणा के राज्यपाल और कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. असीम कुमार घोष ने कहा कि देश के युवा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के राष्ट्रीय मिशन के वास्तविक शिल्पकार हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की, कि डिग्री हासिल करने के बाद युवा नवाचार और उद्यमिता के क्षेत्र में सराहनीय कार्य करके भारत को वर्ष 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाने में अहम भूमिका अदा करेंगे। राज्यपाल आज कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के 35 वें दीक्षांत समारोह को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। प्रो. असीम कुमार घोष ने छात्रों को ज्ञान और चरित्र का संगम बनने के लिए प्रेरित करते हुए देश के विकास में अपना योगदान देने और तकनीकी प्रगति के साथ-साथ नैतिक मूल्यों को बनाए रखने का संदेश दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को पारंपरिक नौकरी तक सीमित न रहने और नौकरी मांगने के बजाय नौकरी देने वाले बनने के लिए भी प्रेरित किया। दीक्षांत समारोह में उन्होंने अलग-अलग विषयों में पीएचडी के 112 विद्यार्थियों सहित पूर्व स्नातक और स्नातकोत्तर सहित करीब 3000 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की। इसके साथ ही उन्होंने 89 विद्यार्थियों को अपनी-अपनी कक्षाओं में अब्बल रहने पर स्वर्ण पदक और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने दीक्षांत समारोह की स्मारिका का विमोचन भी किया गया। राज्यपाल ने कहा –

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में आज राज्यपाल ने सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति राजेश बिंदल को विश्वविद्यालय की तरफ से डॉक्टर ऑफ लॉ की मानद उपाधि से अलंकृत किया। इस अवसर पर न्यायमूर्ति राजेश बिंदल ने कहा-

छात्रों को संबोधित करते हुए न्यायमूर्ति राजेश बिंदल ने कहा कि यदि राष्ट्र सशक्त होगा, तो सभी स्वतः सशक्त होंगे। यदि हम केवल अपनी व्यक्तिगत प्रगति के बारे में सोचेंगे, तो हम अपने कर्तव्यों का पूर्ण रूप से निर्वहन नहीं कर पाएँगे। जो कुछ भी हमें मिला है, वह इसी राष्ट्र की देन है।

पलवल के गांव घोड़ी में आज धानुका एग्रीटेक लिमिटेड द्वारा गेहूं फसल कटाई दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में नई दिल्ली से भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के सहायक महानिदेशक (तिलहन एवं दलहन) डॉ.संजीव गुप्ता ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। अपने संबोधन में डॉ.संजीव गुप्ता ने अच्छे उत्पादन के लिए आधुनिक तरीके एवं वैज्ञानिकों की सलाह के अनुसार खेती करने और रासायनिक खादों के अंधाधुंध प्रयोग से बचने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि मृदा के स्वास्थ्य को सुधारने के लिए किसानों को तिलहन एवं दलहन की फसलों की बिजाई करनी चाहिए।

डॉ.संजीव गुप्ता ने किसानों को दलहन और तिलहन की नई किस्में अपनाने की सलाह दी।

कार्यक्रम में भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान लुधियाना के पूर्व निदेशक व हाइब्रिड फसलों के सलाहकार डॉ.साई दास सहित कई पूर्व कृषि वैज्ञानिकों और किसानों ने शिरकत की।
